RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 161
दि. 10.10.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पीएम मोदी और ट्रंप की फोन पर बातचीत, गाजा शांति योजना पर दी बधाई

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की। इस बातचीत में दोनों नेताओं ने गाजा शांति योजना की सफलता, द्विपक्षीय व्यापारिक रिश्तों और क्षेत्रीय स्थिरता पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस ऐतिहासिक समझौते को लेकर ट्रंप को बधाई दी और इसे 'पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की दिशा में बड़ा कदम' बताया।

पीएम मोदी ने बातचीत के बाद अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर लिखा-

'अपने मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से बात की और ऐतिहासिक गाजा शांति योजना की सफलता पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही व्यापार वार्ता में हुई अच्छी प्रगति की समीक्षा की। आने वाले हफ्तों में हम घनिष्ठ संपर्क में रहने पर सहमत हुए।'

इस बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका के बीच व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता को मजबूत करने पर भी विचार साझा किए। यह चर्चा ऐसे समय में हुई है जब वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है और अमेरिका भी एशिया में संतुलन की नई रणनीति पर काम कर रहा है।

पश्चिम एशिया में दो साल से जारी विनाशकारी युद्ध के बाद गाजा में शांति की एक नई शुरूआत हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में इस्राइल और हमास ने गाजा में लड़ाई रोकने का फैसला किया है। यह समझौता 'गाजा शांति योजना' के पहले चरण का हिस्सा है, जिसे अब तक का सबसे ठोस और उम्मीद जगाने वाला प्रयास माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस कदम की सराहना करते हुए कहा-

'हम राष्ट्रपति ट्रंप की शांति योजना के पहले चरण पर हुए समझौते का स्वागत करते हैं। यह प्रधानमंत्री नेतन्याहू के मजबूत नेतृत्व का भी प्रतिबिंब है। हमें उम्मीद है कि बंधकों की रिहाई और गाजा के लोगों को मानवीय सहायता पहुंचने से उन्हें राहत मिलेगी तथा स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होगा।' मोदी ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की भूमिका की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह समझौता न केवल अमेरिका की मध्यस्थता की सफलता है, बल्कि नेतन्याहू के दृढ़ नेतृत्व की झलक भी देता है।

सीएम योगी से सम्मान पाकर खिले खिलाड़ियों के चेहरे, बेटियों ने कहा- 'अब देश के लिए जीतेंगे मेडल'

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी की धरती पर न केवल खेलों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का संकल्प दोहराया, बल्कि अपनी प्रेरणादायक उपस्थिति से युवा खिलाड़ियों के सपनों को पंख भी लगा दिए. विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह के समापन अवसर पर सीएम योगी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया.

इन खिलाड़ियों के चेहरे पर चमकते आत्मविश्वास और आंखों में जगमगाते सपनों ने साबित कर दिया कि योगी सरकार का खेल को बढ़ावा देने की नीति न केवल बुनियादी ढांचा मजबूत कर रहा है, बल्कि युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय पटल पर चमकाने का मंत्र भी दे रहा है.

रुद्रिका सिंह, तारा देवी इंटर कॉलेज की होनहार छात्रा हैं, जिन्हें इस साल खेलो इंडिया में मेडल जीतने के लिए सम्मानित किया गया. रुद्रिका ने उत्साह से कहा कि मैं बहुत खुश हूं. मुख्यमंत्री ने प्रदेश में खेल का ऐसा अच्छा माहौल बनाया है कि हर सपना साकार लगता है. आगे मैं और मेहनत करूंगी, जिससे देश के लिए खेलने का मौका मिले और मैं अपने देश व प्रदेश का नाम रोशन कर सकूं.

सीएम योगी के हाथों सम्मानित होकर खुश है छात्रा संध्या राजपूत

इसी समारोह में संध्या राजपूत, महाराजा अग्रसेन सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की तेजतर्रार धाविका ने अपनी उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि मेरी 3000 मीटर और 1500 मीटर दौड़ की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आया. पिछले साल एसडीएफआई के अंडर 14 प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया. आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुझे सम्मानित किया, मैं बहुत खुश हूं. यहां खेल का अच्छा माहौल है, आगे देश के लिए मेडल जीतना चाहती हूं.

संक्षिप्त समाचार

इधर शांति समझौता हुआ उधर इजरायल ने फिर किया धमाका, दहल गया गाजा

गाजा में लगातार विस्फोटों की खबरें सामने आई हैं। ये विस्फोट तब हो रहे हैं जब इजराइल और हमास के बीच सीजफायर समझौते की घोषणा की गई थी। गाजा नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने गुरुवार को बताया कि समझौते के ऐलान के तुरंत बाद कई हमले हुए। AFP की रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसी के अधिकारी मोहम्मद अल-मुघयिर ने कहा कि "गाजा में प्रस्तावित सीजफायर समझौते की घोषणा के बाद से कई विस्फोटों की खबरें मिली हैं, खासतौर पर उत्तरी गाजा में।" उन्होंने बताया कि गाजा शहर में "कई तेज हवाई हमले" हुए हैं।

इजराइल -हमास सीजफायर के बाद गाजा में खुशी से रोने लगे लोग! पीएम मोदी ने किसको दिया 'मास्टरस्ट्रोक' का क्रेडिट?

(जीएनएस)।

दो साल पहले शुरू हुए युद्ध के बाद आखिरकार गुरुवार को शांति समझौते की खबर गाजा और इजरायल दोनों ही क्षेत्रों में पहुंची, जिसके बाद गाजा के लोग खुशी से झूम उठे। वहीं इजरायल में बंधकों के अपनों का लंबा इंतजार समाप्त होता दिखा।

दरअसल, हमास और इजराइल ने गाजा में लड़ाई को रोकने और बंधकों तथा कैदियों की अदला-बदली के लिए एक समझौते के 'पहले चरण' पर सहमति व्यक्त की है। यह समझौता ट्रम्प प्रशासन द्वारा आगे बढ़ाया गया था।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना के पहले चरण पर हुए समझौते का गर्मजोशी से स्वागत किया है। उन्होंने इस समझौते को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के मजबूत नेतृत्व का प्रतीक बताया। पीएम मोदी ने आगे आशा व्यक्त की कि बंधकों की रिहाई और गाजा के लोगों को बढ़ाई गई मानवीय सहायता से उन्हें राहत मिलेगी और यह क्षेत्र में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

द गार्जियन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, गाजा शहर में अपने शेल्टर से फोन पर इस खबर को सुनते ही एक विस्थापित फिलिस्तीनी अहमद शेहीबर ने खुशी से चिल्लाया, और कहा कि, 'यह एक बहुत बड़ा दिन है, बहुत बड़ी खुशी! गाजा पट्टी के खान यूनिस के निवासी अयमान सबर ने कहा कि, 'मुझे इस खबर पर विश्वास नहीं हो रहा है।' वहीं, अल-मवासी के तटीय क्षेत्र में लोग 'अल्लाहु अकबर' के नारे लगाते हुए हवा में गोलियां चलाकर जश्न मनाते दिखे।

शुरूआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रखी गई 21-सूत्रीय शांति योजना असंभावित लग रही थी, लेकिन मिस्र के रिसॉर्ट शहर शर्म अल शेख में अप्रत्यक्ष बातचीत के दिनों बाद गुरुवार को इजरायल और हमास ने इसके "प्रारंभिक चरण" पर सहमति व्यक्त कर दी।

रिंकू सिंह से मांगी रंगदारी, मांगने वाले को वेस्टइंडीज से घसीट लाई पुलिस

एशिया कप में जबरदस्त खेल दिखाने वाले रिंकू सिंह लेकर एक बड़ी खबर आई है। उनसे रंगदारी मांगने का मामला आया है।

युवा खिलाड़ी से 5 करोड़ रुपये मांगने का मामला सामने आया है। एजेंसियो ने इसे संज्ञान लेते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। मामला तब सामने आया जब नवीद नाम का शख्स 5 फरवरी 2025 को सुबह के समय सबसे पहले रिंकू को मैसेज लिखा कि थोड़ी आर्थिक मदद मांगी। 9 अप्रैल की रात को उसने दोबारा ₹5 करोड़ की मांग करते हुए समय व स्थान तय करने को कहा। पुनः प्रतिक्रिया न मिलने पर 20 अप्रैल को एक अंग्रेजी संदेश भेजा। जिसमें लिखा था जो धमकी का संकेत था।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) - उत्तर गुजरात, गुजरात ग्रीन ग्रोथ के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर, 09 अक्टूबर : वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत गुरुवार को मेहसाणा में ऊर्जा आत्मनिर्भरता पर आयोजित सेमिनार और अवॉर्ड समारोह में मुख्ममंत्री ने कहा कि 2003 में जब वाइब्रेंट गुजरात की शुरूआत हुई थी, तब 100-200 करोड़ रुपए के एमओयू हुए थे, जबकि आज पचास हजार करोड़ रुपए जैसी बड़ी धनराशि के एमओयू हो रहे हैं, जो गुजरात की अर्थव्यवस्था में आए बड़े परिवर्तन का दशार्ता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान गुजरात में पंचामृत यानी जल शक्ति, ज्ञान शक्ति, ऊर्जा शक्ति, जन शक्ति और रक्षा शक्ति पर आधारित शासन का नया मॉडल विकसित किया था। आज गुजरात देश का ग्रीन एनर्जी हब बनने जा रहा है। गुजरात आज एनर्जी ट्रांसफॉर्मेशन में देश का नेतृत्व करने को तैयार है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि दुनिया जब ऊर्जा का विकल्प तलाश रही थी, तब प्रधानमंत्री ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सौर ऊर्जा पर जोर देकर उत्तर गुजरात के चारणका में एशिया का सबसे बड़ा सोलर प्लांट स्थापित किया था। देश में सौर ऊर्जा की नींव उत्तर गुजरात की भूमि में रखी गई थी। ऐसे प्रयासों के कारण ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा श्री मोदी को नीतिगत नेतृत्व के लिए 'चैंपियंस ऑफ द अर्थ 2018' पुरस्कार से नवाजा गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन के लिए विशेष नीति बनाई है। वाइब्रेंट समिट में ग्रीन हाइड्रोजन नीति की घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा कि गुजरात ग्रीन ग्रोथ के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा बनाई गई पीएम सूर्य घर जैसी योजना के कार्यान्वयन में गुजरात अग्रणी रहा है। पूरे गुजरात में तीन लाख से अधिक सौलर रूफटॉप पैनल्स लगाए गए हैं। जिसमें मोढेरा और बनासकांठा के मशाली जैसे सौ फीसदी सोलर संचालित गांव उत्तर गुजरात में स्थित हैं। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के साथ-साथ गुजरात ने पवन ऊर्जा (विंड एनर्जी) के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। दुनिया का सबसे बड़ा हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क कच्छ के खावड़ा में कार्यरत हो रहा है। 2001 में नवीकरणीय ऊर्जा से केवल 99 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता था, जो आज बढ़कर 31,403 मेगावाट तक पहुंच गया है।

मुख्यमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत पर बल देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र दिया है। आगामी वर्षों में भारत की ऊर्जा जरूरत में वृद्धि होगी, तब नवीकरणीय ऊर्जा से बिजली हासिल कर इस ऊर्जा खपत की आवश्यकता को पूरा किया जा सकेगा। इसके लिए मुख्यमंत्री ने यह दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गुजरात ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करने को तैयार है।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी

सेमिनार में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में जो परिवर्तन आए हैं, उससे देश में ऊर्जा क्रांति आ रही है। आज वाइब्रेंट गुजरात में ऊर्जा क्षेत्र में हुए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) को देखकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि एक समय था जब देश में अंधकार छाया रहता था, जबकि आज देश में 24 घंटे बिजली उपलब्ध है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि गुजरात देश भर में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। पीएम कुसुम और पीएम सूर्य घर जैसी रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की योजनाओं के क्रियान्वयन के मामले में भी गुजरात सबसे आगे है।

कांशीराम की पुण्यतिथि पर योगी आदित्यनाथ सरकार की तारीफ, कांग्रेस-सपा पर आग बबूला हुई बीएसपी चीफ

(जीएनएस)।

बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने कांशीराम की पुण्यतिथि के मौके पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सत्ता से बाहर होने के बाद इन पार्टियों को पीडीए की याद आई है। सत्ता में रहते हुए कभी इन्होंने कांशीराम और बाबा साहेब को सम्मान नहीं दिया। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम ने इस दौरान योगी आदित्यनाथ सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने कुछ योजनाओं को लागू किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ये सारी पार्टियां जातिवादी है और बीजेपी भी वोट के लिए ऐसा कर रही है।

इस रैली में बीएसपी चीफ ने ऐलान कर दिया है कि उत्तर प्रदेश में पार्टी सभी 243 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी और गठबंधन की अफवाहों पर ध्यान नहीं दिया जाए। मायावती ने ये भी कहा कि कुछ लोग दिल्ली और लखनऊ में आजम खान से मुलाकात की अफवाह फैला रहे हैं। बीएसपी के काडर और समर्थकों से अपील है कि इन अफवाहों पर ध्यान न दें।

मायावती ने इस रैली के दौरान समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा सबसे बड़ी जातिवादी पार्टी है और सत्ता में रहते हुए इन्होंने दलितों-पिछड़ों का शोषण किया। आज जब पार्टी सत्ता से बाहर हो गई है, तो इन्हें पीडीए की याद आ रही है। उन्होंने अखिलेश सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा, 'हमारी सरकार ने कांशीराम जी के सम्मान में यह स्मारक स्थल बनवाए थे।'

बीएसपी सुप्रीमो ने कहा, 'हमने व्यवस्था की थी कि यहां आने वाले दर्शकों से जो टिकट का पैसा लिया जाएगा, वह इन्हीं स्मारकों के रखरखाव पर खर्च किया जाएगा। अखिलेश यादव की सरकार में इनके रख-रखाव पर एक पैसा खर्च नहीं किया गया। कांशीराम जी की विरासत की अनदेखी की गई।'

इस रैली में मायावती ने बीजेपी पर भी आरोप लगाया और कहा कि आज प्रदेश और केंद्र की बीजेपी सरकार कई योजनाएं लागू कर रही है, लेकिन यह सब दिखावा है। इन्हें दलितों-पिछड़ों की चिंता नहीं है, ये सब सिर्फ वोट बैंक की राजनीति है।

हालांकि, उन्होंने योगी सरकार की तारीफ करते हुए इतना जरूर कहा कि योगी सरकार ने कांशीराम के स्मारक और इमारतों के रख-रखाव का काम किया और इसके लिए धन्यवाद देती हैं।

इस रैली के जरिए उन्होंने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के साथ अब गठबंधन की कहीं गुंजाइश नहीं है। बता दें कि बीएसपी ने बिहार में भी अकेले ही चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

हमास की कैद में नेपाली हिन्दू का पहला वीडियो आया सामने

(जीएनएस)।

इजरायल और हमास के बीच मिस्र में हुई बातचीत के बाद सीजफायर की उम्मीद दिखने लगी है। इसी दौरान, 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा बंधक बनाए गए नेपाली नागरिक बिपिन जोशी का एक नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो को देखकर उनके परिवार की उम्मीदें फिर से जाग उठी हैं। बिपिन जोशी इजराइल में खेती से जुड़ी ट्रेनिंग के लिए गए थे। अपहरण से 25 दिन पहले ही बिपिन वहां पहुंचे थे।

IDF को मिला था वीडियो

जोशी के परिवार के अनुसार, यह वीडियो उन्हें इजराइली डिफेंस फोर्सेस (IDF) ने बरामद करके सौंपा है। माना जा रहा है कि यह वीडियो उनके अपहरण के लगभग एक महीने बाद, नवंबर 2023 में फिल्माया गया था। यह पहला मौका है जब बिपिन जोशी को अपहरण के बाद देखा गया है। हालांकि, अब तक उनके जीवित होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वीडियो में बिपिन ने क्या कहा था?

33 सेकंड के इस वीडियो में बिपिन जोशी खुद को अंग्रेजी में बोलते हुए नजर आते हैं। वे कहते हैं -

"मेरा नाम बिपिन जोशी है। मैं नेपाल से हूं। मेरी उम्र 23 साल है। मैं 25 दिन पहले इजराइल आया था। मैं यहां 'सीखो और कमाओ कार्यक्रम' के लिए आया था, मैं एक छात्र हूं।"- वीडियो में वे आगे कहते हैं कि "मैं खट्टे और नींबू के खेत में कृषि फार्म में काम करता हूं।"

हमास ने किया था किबुत्ज अलुमिम से अपहरण

7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजराइल के किबुत्ज अलुमिम इलाके से बिपिन जोशी का अपहरण किया था। उसी दिन उनके 10 नेपाली दोस्तों की हत्या कर दी गई थी। यह हमला इजराइल-हमास संघर्ष की शुरूआत का दिन था, जिसने पूरी दुनिया को हिला दिया था।

परिवार ने जारी किया भावनात्मक बयान

जोशी के परिवार ने एक भावनात्मक बयान जारी करते हुए कहा - "उस भयानक नरसंहार के दो साल पूरे हो चुके हैं, जिसने हजारों परिवारों को दर्द और नुकसान में डुबो दिया। हमारे परिवार और अन्य बंधकों के लिए समय जैसे थम गया है। हमने अपने बेटे बिपिन के जीवन का एक संकेत साझा करने का फैसला किया है।" परिवार के इस बयान में गहरा दुख और उम्मीद दोनों झलकते हैं।

बंधकों के परिवारों ने जताई उम्मीद

गाजा में अब भी हमास की कैद में 48 बंधकों के परिवारों ने कहा है कि यह वीडियो उनके लिए उम्मीद की किरण है। उन्होंने कहा,- "गाजा में मिला यह जीवन का संकेत हमारे दृढ़ विश्वास की पुष्टि करता है कि बिपिन जोशी जीवित हैं।" इन परिवारों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में कोई ठोस समाधान निकलेगा जिससे सभी बंधक अपने परिवारों से मिल सकेंगे।

"इसे साझा करना आसान नहीं था"- परिवार

बिपिन के परिवार ने कहा कि वीडियो को सार्वजनिक रूप से साझा करना आसान नहीं था, लेकिन अब हालात बेहद अहम हैं।

माननीय रेलवे, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अहमदाबाद मण्डल का दौरा किया

गुजरात में लॉजिस्टिक्स अवसंरचना एवं औद्योगिक विकास और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को सशक्त बनाने हेतु दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

वडनगर स्टेशन, हाई स्पीड रेलवे (HSR) साबरमती स्टेशन और डिपो का किया निरीक्षण

माननीय रेलवे, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज 09 अक्टूबर, 2025 को पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल का दौरा किया। महेसाणा में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट में भाग लिया।

माननीय रेल मंत्री जी ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट के दौरान अपने भाषण में कहा कि रेलवे हमारे देश की लाइफलाइन है। लॉजिस्टिक्स कॉस्ट को कम करने और ग्रीन लॉजिस्टिक्स का सबसे बड़ा माध्यम है। बहुत खुशी होती है जब रेलवे के नए-नए प्रोजेक्ट्स देशभर में शुरू होते हैं। गुजरात में फ्रेट कॉरिडोर का काम पूरा हो गया है और उसका बहुत लाभ देश को मिल रहा है। जहाँ किसी कंटेनर ट्रेन को आने में 30-30 घंटे लगते थे, आज वहाँ 10-11 घंटे में कंटेनर ट्रेन पहुँच जाती है। आज फ्रेट कॉरिडोर पर डेली करीब-करीब 400 गाड़ियाँ चल रही हैं तथा पिछले 11 वर्षों में गुजरात में 2,764 किमी रेलवे ट्रैक बने हैं। जो डेनमार्क के कुल रेल नेटवर्क के बराबर ट्रैक गुजरात में 11 वर्षों में बने। गुजरात में रेलवे का इन्वेस्टमेंट

₹ 1 लाख 46 हजार करोड़ है।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट के दौरान गुजरात में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कुल ₹12,877.35 करोड़ के दो महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए गए।

पहला समझौता भारतीय रेल (पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद मण्डल) और उद्योग आयुक्तालय, गुजरात सरकार के बीच हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य में लॉजिस्टिक्स अवसंरचना और औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना है। इस समझौते के तहत रेलवे और गैर-रेलवे भूमि पर गति शक्ति मल्टीकार्गो टर्मिनल, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और एकीकृत लॉजिस्टिक्स एवं औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। ये परियोजनाएँ गुजरात इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स मास्टर प्लान और सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान्स के अनुरूप होंगी। इसके अलावा, माल परिवहन से संबंधित डेटा का नियमित आदान-प्रदान गुजरात लॉजिस्टिक्स डैशबोर्ड के माध्यम से किया जाएगा, जिससे राज्य में लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक निर्णय और भी सटीक और प्रभावी बन सकेंगे।

दूसरा समझौता भारतीय रेल और गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (GSRTC) के बीच हुआ। इसके तहत राज्य के प्रमुख 87 रेलवे स्टेशनों को मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इन हब्स में रेल और बस सेवाओं का एकीकृत संचालन होगा, जिससे यात्रियों को निर्बाध, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित होगी। इन हब्स में आधुनिक सुविधाएँ, लॉजिस्टिक्स समन्वय केंद्र और यात्री सेवाओं का समेकन होगा, जिससे राज्य में आवागमन और माल परिवहन दोनों में तेजी और दक्षता आएगी।

अपने दौरे के दौरान श्री वैष्णव ने वडनगर स्टेशन का भी निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने यात्री सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया तथा इस स्टेशन के पुनर्विकास के बारे में चर्चा की। साथ ही स्थानीय लोगों से बातचीत की तथा उनकी ट्रेनों की मांग पर भी विचार-विमर्श किया।

माननीय रेल मंत्री श्री जी ने साबरमती रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया एवं स्टेशन के मॉडल का अवलोकन किया तथा साबरमती हाई स्पीड रेल स्टेशन एवं हाई स्पीड रेल डिपो का विस्तृत निरीक्षण किया और मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्हें ठलरफ्छह के अधिकारियों द्वारा प्रजेंटेशन के माध्यम से परियोजना में किए गए विभिन्न विकासात्मक कार्यों और नवीनतम प्रगति की जानकारी दी गई।

निरीक्षण के दौरान माननीय रेल मंत्री जी के साथ श्री विवेक कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे; श्री वेद प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद; प्रमुखाध्यक्ष पश्चिम रेलवे मुख्यालय एवं अहमदाबाद मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

डिस्कॉम की समीक्षा बैठक में विद्युत व्यवस्था और बेहतर बनाने हेतु कड़े निर्देश

एसकेयू

लखनऊ । विद्युत वितरण निगमों की समीक्षा बैठक में आज उ0प्र0 पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ0 आशीष कुमार गोयल ने प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को और बेहतर बनाने हेतु कड़े निर्देश दिये। अध्यक्ष ने कहाकि विद्युत बिल वसूलने के लिये अभियान चलाइये। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मिशन के रूप में इस कार्य में लगें। एक-एक बिजली बकायेदार से सम्पर्क कर बकाया वसूलें।

अध्यक्ष ने कहा कि आपकी जिम्मेदारी है कि जितनी बिजली दे उतना राजस्व वसूलें और लाइन हानियॉ कम करें। बेहतर विद्युत व्यवस्था के लिये यह जरूरी है। इसलिये सभी लोग विद्युत बिल वसूली में कडी मेहनत करें और निर्धारित लक्ष्य पूरा करें।

उन्होंने कहाकि प्रबन्ध निदेशक, निदेशक तथा मुख्य अभियन्ता रेग्यूलर कार्यो की समीक्षा करें। अपने क्षेत्रों में विद्युत चोरी रोकने, विद्युत बिल वसूलने, बिल रीडिंग एवं वितरण, विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट मीटरिंग तथा स्थानीय विद्युत दोषों आदि की व्यवस्था चुस्त दुरूस्त रहे यह सुनिश्चित करिये। उन्होंने कहाकि आपको लीडरशिप देकर नीचे तक व्यवस्था सुधारनी है। जो लोग अच्छा परिणाम दे रहे हैं उनको प्रमोट करिये साथ ही जो बेहतर कार्य नहीं कर रहे हैं उनके विरूद्ध कार्यवाई करिये। नीचे तक कार्यवाई होनी चाहिए।

आज की समीक्षा बैठक में सभी डिस्कॉम द्वारा प्रजेन्टेशन प्रस्तुत किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि जहॉ भी स्थानीय फाल्ट हो उन्हें कम से कम समय में ठीक किया जाये। अधिकारी सजगता बरतें। बिजली बाधित होने पर विभिन्न माध्यमों से उपभोक्ताओं को पूरी सूचना दें। जिससे कोई समस्या न पैदा हो।

अध्यक्ष ने बैठक में निर्देश दिये कि हर डिवीजन स्तर पर ऐसे एरिया या क्लस्टर का चयन कर लिया जाये जिनको तकनीकी और वाणिज्यक रूप से आदर्श बनाया जायेगा। इन क्षेत्रों में सर्वे कर शत प्रतिशत उपभोक्ता मीटरों की स्थापना, मीटरों को बाहर सुविधा जनक स्थान पर लगाना, विद्युत चोरी की रोकथाम, नेवरपेड और लॉग अनपेड कंज्यूमर के लिये समर्पित कैंप भी लगाये जाएंगे। इन क्षेत्रों को लाभकारी क्षेत्रों में विकसित किया जायेगा।

अध्यक्ष ने कहाकि सबस्टेशन पर टीजी-2 की डयूटी लगायी जाये। वे बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज करें और सुबह 10 से उपस्थित रहें। अध्यक्ष ने कहाकि जहॉ पर अवर अभियन्ता नही है वहॉ योग्यता और आवश्यकता के अनुरूप टीजी-2 का उपयोग करने हेतु अवर अभियन्ता का चार्ज देने पर विचार किया जाये।

अध्यक्ष ने वाट्सएप ग्रुप बनाने हेतु भी सख्त निर्देश दिये। उन्होंने कहाकि सभी ग्रुप में कम से कम 500 सदस्य रहें जिससे बेहतर ढ़ग से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके।

प्रदेश की विद्युत आपूर्ति की समीक्षा करते हुए अध्यक्ष ने कहा की विद्युत आपूर्ति सुचारु रहे इसके लिए प्रतिदिन समीक्षा करें।

अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने उपभोक्ताओं को गलत बिजली बिल भेजे जाने को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए कि गलत रीडिंग लेने और गलत डेटा फीड करने वाले कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें।

शक्ति भवन में सम्पन्न इस मीटिंग में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा हुई। इसमें डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक तथा निदेशक वाणिज्य एवं निदेशक तकनीकी उपस्थित थे।

कारपोरेशन के प्रबन्ध निदेशक पंकज कुमार ने भी बैठक की समीक्षा की।

निवेश मित्र पोर्टल पर कनेक्शन देने में विलम्ब पर अधिशाषी अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता को निलम्बित करने का निर्णय

निवेश मित्र पोर्टल पर एल.एम.वी-2 वाणिज्यिक कनेक्शन देने में विलम्ब के कारण आज वाराणसी के चन्दौली के अधिशाषी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता तथा अवर अभियन्ता को निलम्बित करने के निर्देश दिये गये।

चन्दौली जनपद के अन्तर्गत चन्दौली डिवीजन में उपभोक्ता ने 13 अगस्त को वाणिज्यिक कनेक्शन के लिये आवेदन किया था। उसने इस्टीमेट भी जमा कर दिया था। यह शिकायत अध्यक्ष के पास आयी जिस पर उन्होंने सख्त कार्यवाई के निर्देश दिये। उन्होंने कहाकि इसमें विलम्ब के लिये जिम्मेदारी तय की जाये और इसके लिये जिम्मेदार कार्मिकों को निलम्बित किया जाये।

डॉ0 गोयल ने कहा कि उपभोक्ता का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उपभोक्ता हमारे लिये सबसे महत्वपूर्ण हैं। निवेश मित्र या झटपट पोर्टल के आवेदनों को निस्तारित करके कनेक्शन दिया जाना चाहिए।

गोरखपुर-डोमिनगढ़ खण्ड पर स्थित समपार संख्या-162 पर रोड ओवर ब्रिज के लिये गर्डर लांचिंग कार्य हेतु गाड़ियों का नियंत्रित/पुनर्निर्धारित

एसकेयू

गोरखपुर, 09 अक्टूबर, 2025: रेलवे प्रशासन द्वारा रेल संरक्षा को ध्यान में रखते हुये गोरखपुर-डोमिनगढ़ खण्ड पर स्थित समपार संख्या-162 पर रोड ओवर ब्रिज के लिये गर्डर लांचिंग कार्य हेतु ब्लाक दिये जाने के कारण गाड़ियों को नियंत्रित/पुनर्निर्धारित कर निम्नवत चलाया जायेगा।

- दिल्ली से 09 एवं 15 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 04010 दिल्ली-सीतामढ़ी विशेष गाड़ी मार्ग में 02 घंटा नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- भागलपुर से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15097 भागलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस वाराणसी मण्डल पर 75 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- आनन्द विहार टर्मिनस से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15530 आनन्द विहार टर्मिनस-सहरसा एक्सप्रेस मार्ग में 50 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- गोरखपुर से चलने वाली 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस विशेष गाड़ी गोरखपुर से 10, 11, 13 अक्टूबर,2025 को 01 घंटा पुनर्निर्धारित कर तथा 15 एवं 16 अक्टूबर,2025 को 45 मिनट विलम्ब से चलाई जायेगी।
- पुणे से चलने वाली 01415 पुणे-गोरखपुर विशेष गाड़ी मार्ग में 09, 10, 12 अक्टूबर,2025 को 75 मिनट तथा 14 एवं 15 अक्टूबर,2025 को 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- दरभंगा से चलने वाली 02569 दरभंगा-नई दिल्ली विशेष गाड़ी वाराणसी मण्डल पर 09, 11, 13 अक्टूबर,2025 को 60 मिनट तथा 15 एवं 16 अक्टूबर,2025 को 45 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- छपरा से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 05049 छपरा-अमृतसर विशेष गाड़ी वाराणसी मण्डल पर 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- तिरूअनन्तपुरम् नार्थ से 08 एवं 14 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 12512 तिरूअनन्तपुरम् नार्थ-गोरखपुर एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- बापूधाम मोतिहारी से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15567 बापूधाम मोतिहारी-आनन्द विहार टर्मिनस वाराणसी मण्डल पर 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- बरौनी से चलने वाली 02563 बरौनी-नई दिल्ली विशेष गाड़ी वाराणसी मण्डल पर 09 अक्टूबर,2025 को 55 मिनट एवं 15 अक्टूबर,2025 को 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- रक्सौल से चलने वाली 15273 रक्सौल-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस वाराणसी मण्डल पर 09 अक्टूबर,2025 को 45 मिनट तथा 15 अक्टूबर,2025 को 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- अमृतसर से 09 एवं 14 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15212 अमृतसर-दरभंगा एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- मथुरा जं0 से 10 एवं 15 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15110 मथुरा जं0-छपरा एक्सप्रेस मथुरा जं0 से 01 घंटा 30 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।
- जम्मू तवी से 10 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 14692 जम्मूतवी-बरौनी एक्सप्रेस मार्ग में 35 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- आनन्द विहार टर्मिनस से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15622 आनन्द विहार टर्मिनस-कामाख्या एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।
- आनन्द विहार टर्मिनस से 12 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 14012 आनन्द विहार टर्मिनस-राधिकापुर एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।
- गोरखपुर से 13 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 12587 गोरखपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस गोरखपुर से 15 मिनट विलम्ब से चलाई जायेगी।
- गोमतीनगर से 13 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15078 गोमतीनगर-कामाख्या एक्सप्रेस मार्ग में 15 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

सभी जनपदों के मार्गों पर गड्ढामुक्ति/पैच मरम्मत के कार्यों हेतु 68 अधिकारियों को अलग अलग जनपदों में निरीक्षण/जाँच हेतु नामित

लखनऊ, एसकेयू,

प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग उ०प्र० अजय चौहान ने यह जानकारी देते हुए बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी के निदेर्शों के क्रम में प्रदेश के अन्तर्गत सभी जनपदों के विभिन्न श्रेणी के मार्गों पर गड्ढामुक्ति/पैच मरम्मत के कार्यों के निरीक्षण एवं रेण्डम आधार पर प्रति खण्ड विशेष मरम्मत के अन्तर्गत बनाये जा रहे 05 आगणनों की स्थिति एवं गुणवत्ता के परीक्षण हेतु मुख्य अभियंता /अधीक्षण अभियंता स्तर कुल 68 अधिकारियों को अलग अलग जनपदों में निरीक्षण/जाँच हेतु एतद्वारा नामित किया गया है।

नामित अधिकारी 9 अक्टूबर एवं 10 अक्टूबर को उनको आवंटित जनपदों में अध्यासन कर विभिन्न श्रेणी के मार्गों पर गड्ढामुक्ति/पैच मरम्मत के कार्यों का निरीक्षण एवं रेण्डम आधार पर प्रति खण्ड विशेष मरम्मत के अन्तर्गत बनाये जा रहे 05 आगणनों की स्थिति एवं गुणवत्ता का परीक्षण करते हुए अपनी सुस्पष्ट आख्या 10 अक्तूबर की सायं तक मुख्य अभियन्ता (मु0-1), लो०नि०वि०, लखनऊ को उपलब्ध करायेंगे।

कांशी राम की पुण्यतिथि पर आप ने किया नमन

(जीएनएस)।

लखनऊः आम आदमी पार्टी यूपी इकाई ने कांशीराम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा महान समाज सुधारक, शोषित-वंचित समाज के अधिकारों के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष करने वाले और बहुजन राजनीति के पुरोधा मान्यवर कांशी राम जी की पुण्यतिथि पर आम आदमी पार्टी (अअढ) उन्हें शत-शत नमन करती है और कृतज्ञतापूर्वक उनके अतुलनीय योगदान को याद करती है।

अयोध्या प्रांत के अध्यक्ष विनय पटेल ने इस मौके पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मान्यवर कांशी राम जी का संघर्ष और उनका 'बहुजन हित' का विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना पहले था। उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के आत्मसम्मान और सत्ता में भागीदारी के लिए जो अलख जगाई, वह आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरित करती है।

उनके दिखाए रास्ते पर चल कर ही 'शोषित वंचित' समाज का उत्थान संभव है और उनके आदर्शों पर चलते हुए 'समानता' के लिए संघर्ष जारी है।

प्रदेश प्रवक्ता प्रिंस सोनी ने कहा कि "मान्यवर कांशी राम जी ने हमें सिखाया कि राजनीतिक शक्ति ही शोषित और वंचित समाज के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकती है। आम आदमी पार्टी उसी आदर्श पर चलते हुए, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और हर मूलभूत सुविधा को हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली और पंजाब में हमारी सरकारें जिस तरह से आम आदमी के जीवन स्तर को ऊपर उठा रही हैं, वह मान्यवर कांशी राम जी के सपनों को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है । आम आदमी पार्टी बहुजन राजनीति के पुरोधा मान्यवर कांशी राम जी की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं।

जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि गरीब, दलित, पिछड़े और शोषित समाज को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, निःशुल्क चिकित्सा, और रोजगार के अवसर प्रदान करना ही मान्यवर कांशी राम जी को सच्ची श्रद्धांजलि है। आम आदमी पार्टी का संघर्ष केवल सत्ता हासिल करने का नहीं, बल्कि सत्ता का उपयोग कर समाज के सबसे कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने का है। मान्यवर कांशी राम जी का सपना था एक ऐसा भारत, जहाँ हर नागरिक को उसका अधिकार मिले और समाज में बराबरी हो। आम आदमी पार्टी उनके इसी सपने को पूरा करने के लिए संकल्पित है।

पुण्यतिथि के इस मौके पर निवर्तमान प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल, शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह, अयोध्या प्रांत उपाध्यक्ष नूर सिद्दकी, सुभाषिनी मिश्रा, ज्ञान सिंह,रानी कुमारी, पी के बाजपेई, सी के प्रसाद, अनित रावत,बलराम साहनी, सुधीर पटेल, दीपक चौरसिया, मुकेश शुक्ला, विनोद कुमार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

देवा मेला में आयोजित बॉडीबिल्डिंग शो ने युवाओं को किया आकर्षित

प्रतियोगिता में 100 प्रतिभागियों की दमदार प्रस्तुति, संगीत और जज टीम की मौजूदगी से कार्यक्रम बना भव्य

(जीएनएस)।

बाराबंकी। सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की धरती पर देवा मेले में पहली बार आयोजित बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता युवाओं के लिये आकर्षण का केंद्र बनी। शो देंखने के लिये बड़ी संख्या में युवाओं की ऑडिटोरियम में उपस्थिती रही। प्रतियोगिता का शुभारंभ मेला कमेटी के सदस्य महबूब किदवई, फव्वाद किदवई और तालिब नजीब कोकब ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस प्रतियोगिता में लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। शो के दौरान मेघना मिश्रा और नैतिक सिंह ने डुएट गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। प्रतिभागियों के प्रदर्शन का निष्पक्ष मूल्यांकन 12 सदस्यीय जज टीम ने किया, जिन्होंने कड़े मापदंडों के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का चयन किया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को नशे से दूर रखते हुए स्वास्थ्य, फिटनेस और सकारात्मक जीवनशैली की ओर प्रेरित करना है। देवा कस्बा धार्मिक पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन युवाओं के लिए खेल और फिटनेस की संभावनाओं की कमी महसूस की जाती रही। इस पहल ने युवाओं में उत्साह और आत्मविश्वास जगाने का पहला कदम उठाया है। इस अवसर पर आयोजन समिति के संयोजक असद साजिद सहित मेला कमेटी के सदस्यगण महबूब किदवई, फव्वाद किदवई, तालिब नजीब कोकब और रानी मृणालिनी सिंह सहित अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय युवा और दर्शक उपस्थित रहे। प्रतिभागियों की मेहनत, संगीत और निर्णायक टीम की मौजूदगी ने बॉडीबिल्डिंग शो को न केवल प्रतिस्पर्धा बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत और उत्साहवर्धक कार्यक्रम बना दिया।

साइकिल चलाकर रायबरेली से देवा पहुंचे प्रीतम ने बॉडीबिल्डिंग शो में दिखाई प्रतिभा

देवा मेले में पहली बार आयोजित बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता ने युवा प्रीतम के लिए यादगार अनुभव बन गया। रायबरेली से साइकिल पर सफर तय कर शो में शामिल हुए प्रीतम ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और जोश से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए युवा आइकन असद साजिद ने उन्हें फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया।

बॉडीबिल्डिंग का जलवा : मिस्टर इंडिया पंकज रहे दर्शकों का आकर्षण केंद्र

बाराबंकी। देवा मेला में आयोजित 2025 की बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में गाजीपुर के रहने वाले मिस्टर इंडिया बाड़ी बिल्डर पंकज यादव ने अपनी दमदार और अद्वितीय प्रस्तुति से पूरे ऑडिटोरियम में हौसले और उत्साह की लहर दौड़ा दी। उनके सशक्त, संतुलित और सुंदर कद-काठी वाले प्रदर्शन ने युवा दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जैसे ही पंकज यादव स्टेज पर उतरे, दर्शकों ने कुर्सियों पर खड़े होकर तालियों और जयकारों से उनका उत्साहवर्धन किया। उनका अनुशासन, मेहनत और समर्पण सभी प्रतिभागियों और दर्शकों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गया। आयोजन समिति और उपस्थित दर्शक उनकी ताकत, दृढ़ता और मंच पर आत्मविश्वास भरे प्रदर्शन के कायल हो गए। पंकज यादव का यह शानदार प्रदर्शन न केवल प्रतियोगिता को रोमांचक और जीवंत बना गया, बल्कि युवाओं में फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता और प्रेरणा भी जगाई। प्रतिभागियों, आयोजकों और दर्शकों की संयुक्त सराहना ने यह स्पष्ट कर दिया कि पंकज यादव का यह प्रदर्शन बॉडीबिल्डिंग की दुनिया में नई ऊर्जा और उत्साह का प्रतीक बन गया है।

पारा कोतवाली क्षेत्र में बीएसपी नेताओं का विवादित पोस्टर लगा, मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पारा कोतवाली क्षेत्र के बुधेश्वर चौराहा स्थित फ्लाईओवर पर बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के नेताओं द्वारा एक विवादित पोस्टर लगाए जाने से स्थानीय क्षेत्र में हड़कंप मच गया जानकारी के अनुसार, पोस्टर में ऐसे शब्द और बयान लिखे गए हैं, जो राजनीतिक और सामाजिक रूप से विवाद को जन्म दे रहे हैं। राहगीरों और स्थानीय नागरिकों ने इसकी

सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पारा कोतवाली पुलिस पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पोस्टर लगाने वाले नेताओं की पहचान की जा रही है, और जल्द ही जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस घटना से क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है, क्योंकि विरोधी दलों ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे विवादित पोस्टर से माहौल खराब हो सकता है, इसलिए प्रशासन को सख्त कदम उठाना चाहिए। मामले की जांच जारी है, पारा पुलिस कि निगरानी में है।

ग्राम पंचायत रहेड़िया में श्री सिद्ध कालसैन बाबा प्राचीन मंदिर पर हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

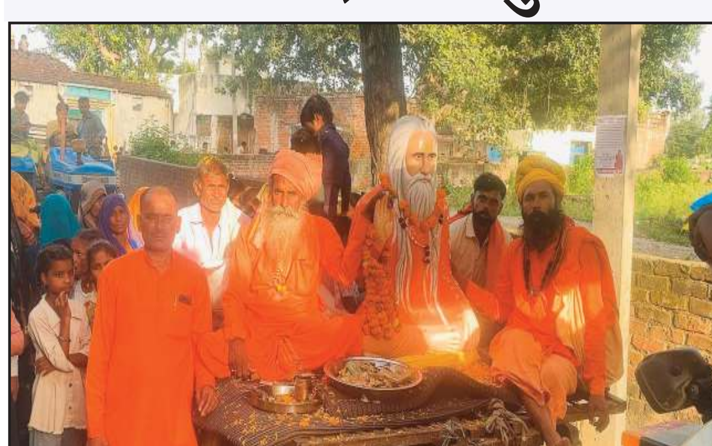

बदायूँ के तहसील बिसौली क्षेत्र के ग्राम पंचायत रहेड़िया में श्री सिद्ध कालसैन बाबा प्राचीन मंदिर के मुख्य रचयिता व निर्माणकर्ता श्री महंत नागा बाबा मोती गिरि महाराज की लगी मूर्ति को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मूर्ति को खंडित कर दिया गया था उसी मूर्ति की पुनः मंदिर पर स्थापना हुई आपको बता दे की मूर्ति को श्री सिद्ध कालसैन बाबा के मंदिर पर पहले मूर्ति का पूजन महंत रवि गिरि ब पंडित जी के हाथों से कराया गया उसके पश्चात मूर्ति को गम्भादित मंदिर से होकर पूरे ग्राम पंचायत रहेड़िया में बाबा मोती गिरि की मूर्ति को बड़े ही सुंदर राधाकृष्ण जी की झांकियों द्वारा मूर्ति को ग्राम रहेड़िया में घूमाया गया इसी के साथ बाबा कालसैन मंदिर पर 24 घंटे का अखंड रामायण का पाठ भी हुआ जिसमें श्री महंत नागा बाबा मोती गिरि महाराज की मूर्ति की स्थापना सुबह साढ़े चार बजे श्री सिद्ध कालसैन बाबा प्राचीन मंदिर पर हुई थी उसके बाद बाबा के मंदिर पर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें निवेदन कर्ता श्री महंत महेश गिरि महाराज जी मौके पर उपस्थित रहे एवं यह मंदिर 84 गांव का आस्था का केंद्र है यहाँ हर साल हजारों ब लाखो की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने ब बच्चों के मुंडन कराने के लिए यहाँ आते हैं ब हर साल एक प्राचीन मंदिर पर विशाल मेला भी लगता है

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

राष्ट्रपति ट्रंप के विपरीत स्टार्मर भारत से अपने सम्बंधों के देते हैं महत्व

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केयर स्टार्मर ने भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बृहस्पतिवार को मुलाकात की। मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने एक-दूसरे के साथ संबंधों की जरूरतों पर बल दिया और एकदूसरे के साथ भरोसे पर टिकी साझेदारी को स्वाभाविक बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों को वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति के महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए वैश्विक अस्थिरता के दौर में महत्वपूर्ण आधार बताया। प्रधानमंत्री मोदी के जोश और ब्रिटेन की दक्षता की सराहना करते हुए दोनों के तालमेल को अद्वितीय बताया। वहीं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर ने अपनी टिप्पणी में भारत और ब्रिटेन के संबंधों को खास बताते हुए भारत की विकास गाथा को उल्लेखनीय बताया।

दरअसल प्रधानमंत्री स्टार्मर ऐसे वक्त भारत आए हैं जब अमेरिका ने जानबूझकर नई दिल्ली से पंगा लेने के लिए प्रतिदिन वुछ न वुछ खुराफाती फरमान जारी करता है और उनके अव्यावहारिक बयानों के बाद व्हाइट हाउस के उनके सहयोगी भी भारत के खिलाफ जहर उगलने लगते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और स्टार्मर अपनी दोस्ती को साझेदारी भरोसे पर टिकी होने की बात कर रहे हैं। सच यही है कि ब्रिटेन और यूरोपियन यूनियन इस वक्त राष्ट्रपति ट्रंप टैरिफ मुद्दे पर दादागिरी से त्रस्त हैं। राष्ट्रपति ट्रंप इस बात की परवाह नहीं करते कि अमेरिका का कौन पुराना और विश्वस्त मित्र हैं या फिर दो देशों के बीच संबंधों को निभाने के लिए अल्पकालिक लाभ के लिए मित्र राष्ट्र को असहज दीर्घकालिक हितों की परवाह नहीं करते।

बहरहाल भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता करके मौजूदा दोनों सरकारों ने एक-दूसरे की चिन्ता को न सिर्प खत्म कर दिया बल्कि अमेरिका जैसे उन देशों को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि ठान लें तो वुछ भी संभव है। जिस तरह भारत और ब्रिटेन सभी क्षेत्रों में अपने संबंधों को महत्व देने के उद्देश्य से एक-दूसरे की भावनाओं और उनके हितों की चिन्ता करके आगे बढ़ सकते हैं ठीक उसी प्रकार राष्ट्रपति ट्रंप जैसे नेता लगभग ढाई दशक की कोशिश के बाद बने अच्छे संबंधों को निजी स्वार्थ के लिए चौपट करने में किसी तरह का संकोच नहीं किया। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने भारत के साथ संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए जितने भी संभव प्रयास हो सकते हैं, वह सब वुछ कर रहे हैं किन्तु वुछ सिख उग्रावादी संगठन जो ब्रिटेन स्थित भारतीय उच्चायोग पर हमले करते रहते हैं तथा खालिस्तानी आंदोलन की आड़ में भारत को बदनाम करने का दुःसाहस करते हैं, उन्हें इस बात का एहसास कराना चाहिए कि भारत ब्रिटेन का सदाबहार मित्र है, इसलिए ब्रिटेन की धरती से ऐसा वुछ भी नहीं होना चाहिए जिससे कि मित्र राष्ट्र भारत की छवि पर प्रभाव पड़े। हैरानी की बात है कि ब्रिटेन एक संसदीय लोकतंत्र है और उसकी भारत से समरसता भी है किन्तु कभी-कभी ऐसा होता है कि हुड़दंग ब्रिगेड को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में उन्हें शैतानी करने का अवसर मिल जाता है। कहने का मतलब है कि यदि ब्रिटेन ने लोकतंत्र न होता तो खालिस्तानियों को ऐसी हरकतें करने का अवसर न मिलता। लब्बोलुआब यह है कि यदि दोनों देशों के बीच साझेदारी में भरोसा बरकरार रहेगा तो निाित रूप से दोनों देशों के बीच सहयोग की ऊर्जा से छोटे-मोटे विवाद स्वतः समय के साथ घिसपिट कर खत्म हो जाएंगे और दूसरे देशों के लिए दोनों देशों की मैत्री मिसाल बन सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप को नहीं मिलेगा नोबल शांति पुरस्कार', किसने फेरा अरमानों पर पानी और क्या बताई वजह?

(जीएनएस)।

'डोनाल्ड ट्रंप को इस बार नोबल प्राइज नहीं मिलेगा।' ये दावा हम नहीं बल्कि कुछ विशेषज्ञ कर रहे हैं। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ऊङ्खल्लं'f ळ१४ेस्र का नोबेल शांति पुरस्कार जीतने की कोशिश इस साल फिर से चर्चा का विषय बन गया है। हर साल यह अनुमान लगाया जाता है कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार किसे मिलेगा। लेकिन इस बार मामला इसलिए दिलचस्प बन गया है क्योंकि इसे पाने की तलब पाले हुए अमेरिका राष्ट्रपति ऊट-पटांग दावे कर रहे हैं। उनका नाम भी उस सूची में शामिल है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि उनके जीतने की संभावना बहुत कम है।

किस आधार पर मिलता है नोबेल?

नॉर्वे की नोबेल समिति आमतौर पर शांति की स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय भाईचारे और संस्थागत सहयोग पर ध्यान केंद्रित करती है। समिति उन व्यक्तियों या संगठनों को इस पुरस्कार से नवाजा जाता है है, जिन्होंने लंबे समय तक शांति को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास किए हों। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप का रिकॉर्ड इस दृष्टिकोण से कमजोर है, क्योंकि उन्होंने कई बार बहुपक्षीय संस्थाओं को नजरअंदाज किया और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चिंताओं को गंभीरता से नहीं लिया।

ट्रंप की खुद की उम्मीदें

ट्रंप लंबे समय से नोबेल पुरस्कार की चर्चा में बने रहना चाहते हैं। उन्होंने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र में कहा था, "हर कोई कहता है कि मुझे नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए।" हालांकि, नोबेल पुरस्कार के लिए कोई भी व्यक्ति खुद को नामांकित नहीं कर सकता। इसके बावजूद ट्रंप के समर्थक और कुछ अमेरिकी सांसद लगातार उनके नाम की सिफारिश करते रहे हैं। ये बात भी जगजाहिर की ट्रंप दूसरों पर दबाव डालकर या लालच देकर उनको ये सम्मान दिलवाने की वकालत करने के लिए भी कह रहे हैं। उदाहरण के लिए पाकिस्तान।

फिर क्यों हो रही चर्चा?

ट्रंप को 2018 से लेकर अब तक कई बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया जा चुका है। अमेरिकी प्रतिनिधि क्लाउडिया टेनी ने दिसंबर में फिर से उनका नाम आगे बढ़ाया था, यह कहते हुए कि ट्रंप ने अब्राहम समझौते के जरिए 2020 में इजरायल और कई अरब देशों के बीच संबंध सामान्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि नोबेल समिति की बैठक में उनके

नाम पर वास्तव में विचार किया गया या नहीं।

क्यों रेस के घोड़े नहीं हैं ट्रंप?

इस साल इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पाकिस्तान सरकार द्वारा किया गया ट्रंप का नामांकन समय सीमा के बाद आया, इसलिए उसे इस साल के लिए नहीं माना गया। ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में "सात युद्ध समाप्त किए" और अब "आठवें युद्ध" यानी इजरायल-हमास संघर्ष को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर दोनों पक्ष उनकी शांति योजना पर सहमत हो जाते हैं, तो गाजा में युद्ध समाप्त हो सकता है।

नारेबाजी से फर्क पड़ता है क्या?

गुरुवार को इजरायल के तेल अवीव में बंधक परिवारों और उनके समर्थकों ने "ट्रंप को नोबेल पुरस्कार दो" के नारे लगाए। यह समर्थन उनके प्रयासों को लेकर जनता के उत्साह को दशार्ता है। हालांकि, नोबेल समिति आमतौर पर लंबी अवधि के शांति प्रयासों को प्राथमिकता देती है, न कि किसी एक त्वरित समझौते को।

विशेषज्ञों ने उतारा नोबेल का भूत

हेनरी जैक्सन सोसाइटी के इतिहासकार थियो जेनौ का कहना है कि ट्रंप के प्रयास अभी तक दीर्घकालिक शांति के रूप में स्थापित नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा, "अल्पावधि में लड़ाई रोकने और संघर्ष की जड़ें खत्म करने में बड़ा अंतर होता है।" जेनौ ने यह भी कहा कि ट्रंप का जलवायु परिवर्तन पर नकारात्मक रुख उन्हें समिति की नजर में कमजोर बनाता है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन अब दुनिया की सबसे बड़ी शांति चुनौतियों में से एक है।

ओबामा की कोशिशें और ट्रंप की हवा-बाजी

नोबेल समिति को 2009 में भी आलोचना झेलनी पड़ी थी जब उसने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को उनके पहले कार्यकाल के केवल नौ महीने बाद यह पुरस्कार दे दिया था। उस समय कई लोगों ने कहा था कि ओबामा को पुरस्कार के योग्य काम करने का पर्याप्त समय नहीं मिला था। इसी कारण अब समिति किसी भी राजनीतिक दबाव में आने से बचना चाहती है।

राजनीतिक दबाव का कितना असर?

नीना ग्रेगर, जो ओस्लो शांति अनुसंधान संस्थान की निदेशक हैं, का कहना है कि ट्रंप का लगातार नोबेल की चर्चा में रहना उनके खिलाफ जा सकता है। उन्होंने कहा कि समिति ऐसे व्यक्ति को पुरस्कृत नहीं करना चाहेगी, जो खुद पर राजनीतिक दबाव बनाकर पुरस्कार पाने की कोशिश कर रहा हो। उनके अनुसार, ट्रंप के शांति पुरस्कार जीतने की संभावना "बहुत कम" है, क्योंकि उनकी बयानबाजी और नीतियां किसी शांतिपूर्ण दृष्टिकोण की झलक नहीं देतीं।

नोबेल की घोषणा और ट्रंप ने टपकाई लार!

इस हफ्ते नोबेल पुरस्कारों की घोषणा शुरू हो चुकी है। सोमवार को चिकित्सा पुरस्कार, मंगलवार को भौतिकी, बुधवार को रसायन विज्ञान, और गुरुवार को साहित्य पुरस्कार घोषित किए गए। अब सोमवार को अर्थशास्त्र पुरस्कार का ऐलान होगा। इसी क्रम में यह देखा जाएगा कि इस बार का नोबेल शांति पुरस्कार किसे मिलता है - क्या वाकई ट्रंप का नाम इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होता है या नहीं।

जुबीन गर्ग मौत केस में नया मोड़, बॉडीगार्ड्स के बैंक अकाउंट में करोड़ों का लेन-देन, नई साजिश का होगा पदार्फाश?

असम के फेमस गायक जुबीन गर्ग की रहस्यमयी मौत के मामले में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। हाल ही में असम पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने सिंगर के चचेरे भाई संदीपन गर्ग को गिरफ्तार किया है।

जुबीन गर्ग मौत केस में नया मोड़

वहीं अब जांच में बड़े वित्तीय लेन-देन का मामला भी सामने आया है। एसआईटी की रिपोर्ट के अनुसार, जुबीन गर्ग के दो निजी बॉडीगार्ड्स के बैंक खातों में करीब एक करोड़ रुपये के संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुए हैं, जिससे केस में साजिश का शक और गहराता जा रहा है।

बॉडीगार्ड्स के अकाउंट्स में गए एक करोड़ रुपये

-एसआईटी को जांच के दौरान पता चला है कि जुबीन गर्ग के दो पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर्स (PSO) के बैंक खातों में भारी भरकम रकम का लेन-देन हुआ है। इन ट्रांजेक्शन्स की प्रकृति संदिग्ध मानी जा रही है।

-माना जा रहा है कि ये बड़ी रकम किसी गहरी साजिश या छिपे हुए फाइनेंशियल एंगल से जुड़ी हो सकती है। इसी आधार पर एसआईटी अब मनी ट्रेल और संभावित षड्यंत्र की दिशा में अपनी जांच आगे बढ़ा रही है।

असम के सीएम ने मांगी ईडी और इनकम टैक्स से जांच

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) और इनकम टैक्स विभाग से फाइनेंशियल पहलुओं की जांच करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है- इस नए खुलासे को केंद्रीय एजेंसियां गंभीरता से लें और सच्चाई तक पहुंचने में हमारी मदद करें।

समन भेजे गए 8 लोगों में से सिर्फ एक ने दिया जवाब

एसआईटी ने जुबीन गर्ग की मौत के वक्त यॉट पर मौजूद 8 लोगों को समन भेजा था और सभी को गत 6 अक्टूबर 2025 तक पेश होने का निर्देश दिया था। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक केवल एक व्यक्ति, रूपकमल कलिता ने समन का जवाब दिया जबकि बाकी 7 लोग अब तक जांच में शामिल नहीं हुए हैं।

जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा ने कही ऐसी बात

-फिलहाल जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा सैकिया ने कहा है- मैं अभी भी विश्वास बनाए हुए हूं। इस मामले में 5 से 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन उन्होंने अभी तक सच नहीं बोला है। मैं बहुत धैर्य से इंतजार कर रही हूं। लोग जांच टीम और न्यायिक प्रणाली के साथ सहयोग कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि सच्चाई जल्द ही सामने आएगी।

-पत्नी गरिमा सैकिया ने आगे कहा है- जुबीन गर्ग की मौत को 21 दिन बीत चुके हैं, जो लोग चश्मदीद गवाह थे उन्हें सामने आना चाहिए। हमने अपना आइकन, अपनी धड़कन खो दी है। इस मामले में चीजों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

यॉट पर उस दिन क्या हुआ था?

-रूपकमल कलिता जो घटना के समय यॉट पर मौजूद थे, ने एसआईटी को बताया है कि गत 19 सितंबर 2025 को समंदर जाते समय यॉट खतरनाक तरीके से डगमगाने लगी थी। उनके अनुसार, यॉट सिंगर के मैनेजर सिद्धार्थ सरमा के नियंत्रण में थी। उन्होंने बताया कि मैनेजर ने यॉट पर ड्रिंक की व्यवस्था भी खुद की थी।

-इसके अलावा जुबीन गर्ग के बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी ने भी पुलिस को चौंकाने वाला बयान दिया है। उनके अनुसार जुबीन की मौत डूबने से नहीं, बल्कि जहर देने से हुई। उन्होंने दावा किया है कि जब जुबीन को सांस लेने में दिक्कत होने लगी और वो पानी में डूबने लगे, तब उनके मैनेजर सिद्धार्थ सरमा चिल्ला रहे थे- जाबो दे, जाबो दे (यानी जाने दो, जाने दो)।

जुबीन गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ सरमा पर लगा गंभीर आरोप

-बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी के अनुसार जुबीन गर्ग एक ट्रेंड स्विमर थे। वो ऐसे पानी में नहीं डूब सकते थे। उन्होंने बयान में कहा है- मुझे लगता है कि सिंगर जुबीन गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ सरमा और फेस्ट ऑर्गनाइजर श्यामकानु महंत ने उन्हें जहर दिया और सिंगापुर को इसलिए चुना ताकि इस साजिश को छिपाया जा सके।

-आपको बता दें कि अब तक असम पुलिस ने सिंगर की मौत के मामले में मैनेजर सिद्धार्थ सरमा, श्यामकनु महंत (फेस्ट ऑर्गनाइजर), अमृतप्रभा महंत (को-सिंगर) और शेखर ज्योति गोस्वामी (बैंडमेट) को गिरफ्तार किया है।

जुबीन गर्ग के चचेरे भाई हुए गिरफ्तार

इनके अलावा हाल ही में जुबीन गर्ग के चचेरे भाई संदीपन गर्ग, जो असम पुलिस में डीएसपी हैं, को भी गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार उन्हें 5 दिनों तक पूछताछ के बाद हिरासत में लिया गया है। गत 8 अक्टूबर 2025 को उन्हें अदालत में पेश करने के बाद 14 दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया गया है।

सिंगापुर ट्रिप के दौरान जुबीन गर्ग की रहस्यमयी मौत

जानकारी के अनुसार 19 सितंबर 2025 को जुबीन गर्ग सिंगापुर में थे, जहां वह 20 सितंबर 2025 को होने वाले नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में परफॉर्म करने वाले थे। शुरूआत में कहा गया था कि 19 सितंबर 2025 को सिंगर की मौत स्कूबा डाइविंग के दौरान हुए हादसे में हुई, लेकिन अब जांच में सामने आ रहा है कि ये एक सुनियोजित साजिश भी हो सकती है।

'मैं हर दिन रोती थी, करोड़ों का कर्जा हो गया था', दिग्गज खिलाड़ी की पत्नी का हैरान करने वाला खुलासा

(जीएनएस)।

फुटबॉल के दिग्गज डेविड बेकहम और उनकी पत्नी, फैशन डिजाइनर विक्टोरिया बेकहम ने हाल ही में अपनी नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि विक्टोरिया के महंगे फैशन ब्रांड 'विक्टोरिया बेकहम' के कारण उनके विवाह पर बहुत गहरा तनाव पड़ा था। बाहर से यह बिजनेस सफल दिखता था, लेकिन असल में यह लगातार पैसा गंवा रहा था और बेकहम दंपत्ति इसे संभाल नहीं पा रहे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि उनका ब्रांड करोड़ों डॉलर के कर्ज में डूब चुका था।

बिजनेस की चुनौतियों पर खुलकर की बात

विक्टोरिया ने पहली बार इस बिजनेस की चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि यह बिजनेस मेरे लिए सब कुछ है, यह पूरी तरह से मैं हूं। लेकिन यह एक कठिन यात्रा रही है। मैंने लगभग सब

कुछ खो दिया। और वह एक अंधेरा समय था। उन्होंने बताया कि वह हर दिन काम पर जाने से पहले रोती थीं क्योंकि वह खुद को "फायर फाइटर" जैसा महसूस करती थीं। उन्होंने कहा कि उनका बिजनेस करोड़ों पाउंड के घाटे में था। विक्टोरिया को डेविड से बिजनेस के बारे में बात करनी पड़ती थी क्योंकि वह इसमें भागीदार थे, और उन्हें यह करना बिल्कुल नापसंद था।

डेविड बेकहम का टूटा दिल

डेविड बेकहम ने स्वीकार किया कि विक्टोरिया का उनसे पैसे मांगना उनके लिए दिल तोड़ने वाला था। उन्होंने याद किया कि जब वे मिले थे, तब विक्टोरिया उनसे कहीं ज्यादा अमीर थीं और उन्होंने ही उनका पहला घर खरीदा था। डेविड ने कहा कि उनके लिए मेरे पास आकर यह कहना, 'हमें और पैसे चाहिए, बिजनेस को और पैसों की जरूरत है', यह हम दोनों के लिए मुश्किल था। मेरे पास लगातार इसे जारी रखने के लिए पैसा नहीं था। मैंने आखिर में कहा कि यह ऐसे जारी नहीं रह सकता।

पौधों पर खर्च होते थे लाखों रुपये

बिजनेस में मोड़ तब आया जब डेविड बेलहसेन को एक पार्टनर के तौर पर लाया गया। उन्होंने लागत में कटौती के उपाय किए। बेलहसेन ने बताया कि बिजनेस के आसपास ऐसे लोग थे जो उन्हें पैसा गंवाने से नहीं रोक रहे थे। उन्होंने एक चौंकाने वाला उदाहरण देकर बताया कि ऑफिस के पौधों पर हर साल ख70,000 खर्च होते थे, और उन्हें पानी देने वाले को ख15,000 अलग से दिए जाते थे। यह खर्च लगभग 85,000 पाउंड (85 लाख रुपये से अधिक) था।

क्या कोहली और रोहित खेलेंगे 2027 वर्ल्ड कप? गिल ने खोल दिया राज!

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले एक बड़ा खुलासा किया है। रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने के बाद ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि रोहित और विराट कोहली का अंतरराष्ट्रीय करियर शायद अपने अंतिम चरण में है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज उनकी आखिरी हो सकती है। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने भी 2027 डऊक्र विश्व कप में इन दोनों की भागीदारी को लेकर कुछ स्पष्ट नहीं किया है।

लेकिन दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शुभमन गिल ने साफ किया कि ये दोनों सीनियर खिलाड़ी अभी भी 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले मेगा इवेंट (विश्व कप) की योजनाओं में शामिल हैं। गिल ने कहा कि रोहित और विराट के पास जो अनुभव है वह बहुत कम खिलाड़ियों के पास होता है। इन दोनों ने जितने मैच भारत को जिताए हैं, उतने बहुत कम खिलाड़ियों ने जिताए हैं। कप्तानी की बागडोर संभालने के बाद शुभमन गिल ने बताया कि वह रोहित शर्मा से किन गुणों को अपने नेतृत्व में लाना चाहते हैं। गिल ने खुलासा किया कि उन्हें कप्तानी की जानकारी अहमदाबाद में पहले टेस्ट मैच के दौरान ही मिल गई थी। गिल ने कहा कि वह रोहित शर्मा के खिलाड़ियों के बीच मित्रतापूर्ण माहौल बनाए रखने की खूबी को अपनाना चाहते हैं।

रोहित ने अपनी कप्तानी में भारत को टी-20 विश्व कप 2024 और कऊउ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में जीत दिलाई थी। गिल उसी तरह के दोस्ताना माहौल को टीम में आगे बढ़ाना चाहते हैं। गिल ने कहा कि रोहित भाई से मैंने कई गुण विरासत में लिए हैं। उनका शांत स्वभाव और ग्रुप के बीच जिस तरह की दोस्ती वह बनाए रखते हैं, वह ऐसी चीज है जिसे मैं पाना चाहता हूं और जिसकी मैं इच्छा रखता हूं। ये वे गुण हैं जो मैं

सलमान खान के बाद अभिनव कश्यप के निशाने में आए शाहरुख खान, डायरेक्टर बोले- 'इनकी कम्युनिटी सिर्फ लेना'

(जीएनएस)।

'दबंग' फेम अभिनव कश्यप इन दिनों अपने बयानों की वजह से चर्चा में रहते हैं। बीते दिनों उन्होंने सलमान खान और उनके परिवार को निशाना बनाया था। लेकिन अब उनके नए बयान ने एक बार फिर इंडस्ट्री में भूचाल ला दिया है। इस बार उनके निशाने पर सलमान नहीं, बल्कि सुपरस्टार शाहरुख खान हैं।

अब नए बयान में कश्यप ने शाहरुख को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है। जिसमें उन्होंने उन्हें भारत छोड़कर दुबई में बसने की सलाह दी है। क्या है पूरा मामला हम आपको इस रिपोर्ट आपको समझाते हैं।

मन्नत बनाम जन्नतः नामों को लेकर कटाक्ष

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, अभिनव कश्यप ने शाहरुख के मुंबई स्थित बंगले 'मन्नत' और दुबई स्थित घर 'जन्नत' पर तंज कसते हुए कहा, "अगर जन्नत दुबई में है तो शाहरुख को वहीं रहना चाहिए। फिर मन्नत भारत में क्यों रखा है?" उन्होंने शाहरुख की जिंदगी की "भौतिक महत्वाकांक्षाओं" पर भी सवाल उठाए। कश्यप के अनुसार, शाहरुख अपने बंगले में दो और फ्लोर जोड़ रहे हैं, जो उनकी बढ़ती डिमांड और ख्वाहिशों को दशार्ता है।

"इनकी कम्युनिटी सिर्फ लेना जानती है"

शाहरुख खान की पृष्ठभूमि और उनकी सामाजिक भागीदारी पर टिप्पणी करते हुए अभिनव ने कहा, "इनकी कम्युनिटी सिर्फ लेना जानती है, देना नहीं। ये लोग बस लेते हैं, समाज को कुछ लौटाते नहीं।" हालांकि उन्होंने किसी समुदाय का नाम नहीं लिया, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके इस बयान की मंशा और शब्दावली को लेकर काफी आलोचना हो रही है।

डायलॉग्स और 'नीयत' पर उठाए सवाल

कश्यप ने शाहरुख की फिल्मों के मशहूर डायलॉग्स पर भी सवाल उठाए, खासकर "बेटे को हाथ लगाने से पहले बाप से बात कर" जैसे संवादों का जिक्र करते हुए कहा कि ये स्टार्स खुद को आम जनता से अलग समझते हैं। उन्होंने कहा, "शाहरुख भले ही बहुत अच्छे से बोलते हैं, लेकिन उनकी नीयत साफ नहीं लगती।"

पहले भी कर चुके हैं सलमान खान पर गंभीर आरोप

यह पहली बार नहीं है जब अभिनव कश्यप ने किसी बड़े अभिनेता पर निशाना साधा हो। इससे पहले उन्होंने सलमान खान और उनके परिवार को 'प्रूव्ड क्रिमिनल' बताया था और कहा था कि सलमान बेल पर बाहर हैं। उन्होंने दावा किया था कि खान परिवार का व्यवहार सामान्य नहीं है।

कौन हैं करगिल शहीद की बेटी रुक्मणी? जिनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कर रही कर्री कमाई

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांताराः चैप्टर 1' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म में जहां ऋषभ शेट्टी ने मुख्य भूमिका निभाई है, वहीं उनकी सह-कलाकार रुक्मिणी वसंत भी दर्शकों के बीच काफी चर्चा में हैं। दमदार अभिनय के साथ-साथ उनके निजी जीवन की कुछ बातें भी हैं, जो बहुत कम लोग जानते हैं।

रुक्मिणी वसंत ने 'कांताराः चैप्टर 1' में एक बेहद चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई है। फिल्म में उन्होंने नायक और खलनायक दोनों का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया है। ऋषभ शेट्टी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रुक्मिणी की परफॉर्मेंस को क्रिटिक्स और ऑडियंस दोनों से सराहना मिल रही है।

बजट और कमाई में भी फिल्म ने रचा इतिहास

विकिपीडिया के अनुसार, 2 अक्टूबर को रिलीज हुई 'कांताराः चैप्टर 1' का बजट लगभग ₹125 करोड़ था। अब तक यह फिल्म दुनियाभर में ₹325 करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है। इससे पहले, 2022 में आई 'कांतारा' भी एक ब्लॉकबस्टर हिट रही थी।

फिल्मों में सफर की शुरूआत

रुक्मिणी वसंत कन्नड़ फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने 2019 में फिल्म 'बीरबल' से अपने करियर की शुरूआत की थी। उन्हें 2023 की हिट फिल्म 'सप्त सागरदाचे एलो' से बड़ी पहचान मिली। इस दो-भाग वाली फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स बेस्ट एक्ट्रेस (कन्नड़) का अवॉर्ड भी मिला।

शहीद पिता की बेटी हैं रुक्मिणी

रुक्मिणी का जन्म 10 दिसंबर 1996 को बेंगलुरु के एक कन्नड़ परिवार में हुआ था। उनके पिता, कर्नल वसंत वेणुगोपाल, कर्नाटक के पहले व्यक्ति थे जिन्हें भारत का सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार अशोक चक्र मिला था। वे 2007 में जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में आतंकियों से लोहा लेते हुए शहीद हो गए थे। रुक्मिणी की मां सुभाषिनी वसंत, एक जानी-मानी भरतनाट्यम नृत्यांगना हैं। उन्होंने युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की विधवाओं की मदद के लिए एक संस्था की स्थापना की है।

पढ़ाई और अभिनय की ट्रेनिंग

रुक्मिणी ने बेंगलुरु के आर्मी स्कूल और एयर फोर्स स्कूल से शुरूआती पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने सेंटर फॉर लर्निंग से शिक्षा ली और फिर लंदन की रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट्स से अभिनय की प्रोफेशनल ट्रेनिंग हासिल की।

आने वाली फिल्म में यश के साथ नजर आएंगी

वर्कफ्रंट की बात करें तो रुक्मिणी अगली बार फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में नजर आएंगी। इस फिल्म में वे साउथ

फेमस संत प्रेमानंद महाराज के पांडवः कौन हैं वह 5 शिष्य जो हर पल रहते हैं साथ? लाखों की जॉब और रुतबा छोड़ बने सेवक

वृंदावन की गलियों में जब भी कदम रखते हैं, वहां की हवा में एक अलग ही भक्ति और शांति का अहसास होता है। अगर बात करें श्री हित राधा केली कुंज आश्रम की और वहां के फेमस संत प्रेमानंद महाराज की, तो यह अनुभव और भी गहरा हो जाता है। प्रेमानंद महाराज सिर्फ एक गुरु नहीं, बल्कि लाखों लोगों के लिए आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं। हाल में उनकी तबियत को लेकर लोगों में चिंता बनी हुई है। प्रेमानंद जी की किडनी खराब होने की वजह से वो डायलेसिस पर हैं।

बीते दिनों उनका एक वीडियो सामने आया था जिसमें उनका चेहरा सूजा हुआ था और लाल हो गया था। उनके हाथों में भी पट्टियां लगी हुई थी। उन्होंने माथे पर चंदन भी नहीं लगा रखा था जो वो हमेशा लगाते हैं। उनकी पद यात्रा भी अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई है। इस वजह से प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी हुई है। केलि कुंज ने पोस्ट शेयर कर प्रेमानंद जी के स्वास्थ्य पर अपडेट भी दिया है। इस बीच लोग लगातार प्रेमानंद जी और उनसे जुड़े लोगों के बारे में जानकारी पाना चाह रहे हैं।

प्रेमानंद महाराज के सत्संग में फिल्मी सितारों से लेकर बड़े कॉर्पोरेट लीडर्स तक शामिल होते हैं। विराट कोहली, अनुष्का शर्मा और शिल्पा शेट्टी जैसे सेलिब्रिटी भी उन्हें आशीर्वाद लेने आते हैं। लेकिन महाराज के साथ हमेशा मौजूद रहते हैं उनके पांच खास शिष्य, जिन्हें लोग उनके 'पांच पांडव' कहते हैं। ये शिष्य किसी आम इंसान से कम नहीं, बल्कि अपने-अपने क्षेत्र में सफल और अनुभवी लोग थे। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये लोग काफी बड़े पदों पर रह चुके हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में...

1. बाबा नवल नगरीः सेना के ऑफिसर से भक्ति की राह तक

बाबा नवल नगरी कभी भारतीय सेना में अधिकारी थे। उनका परिवार पठानकोट, पंजाब से है। 2008 से 2017 तक उन्होंने सेना में सेवा की। 2016 में वृंदावन की यात्रा के दौरान उन्होंने प्रेमानंद महाराज का सत्संग सुना, जिसने उनका जीवन बदल दिया। 2017 में उन्होंने सेना छोड़कर पूरी तरह महाराज की सेवा में समर्पित हो गए। आज वे आश्रम में महाराज के सबसे करीबी शिष्य माने जाते हैं।

2. महामधुरी बाबाः प्रोफेसर से भक्ति के रास्ते पर

महामधुरी बाबा उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के रहने वाले हैं। पहले वे एक कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर थे। एक बार भाई के साथ आश्रम आए और महाराज के दर्शन किए। सत्संग ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर जीवन भर भक्ति और सेवा में खुद को समर्पित कर दिया। आज वे केली कुंज आश्रम में महाराज के साथ रहते हैं।

3. श्यामा शरण बाबाः बचपन से भक्ति में रमे

श्यामा शरण बाबा, महाराज के गांव अखरी (जिला कानपुर) के रहने वाले हैं। बचपन से ही गांव में महाराज की चर्चा सुनते-सुनते उनका मन भक्ति में रम गया। बड़े होने पर उन्होंने दीक्षा लेकर महाराज की सेवा स्वीकार कर ली। आज वे हमेशा महाराज के साथ रहते हैं, जैसे उनका साया।

4. आनंद प्रसाद बाबाः बिजनेस से भक्ति की ओर

आनंद प्रसाद बाबा पहले एक सफल फुटवियर बिजनेस चलाते थे। लेकिन जीवन में कुछ अधूरा सा महसूस हुआ। प्रेमानंद महाराज से मिलने के बाद उन्होंने अपनी लाइफ का असली मकसद पाया और बिजनेस छोड़कर आश्रम के प्रबंधन और सेवा में पूरी तरह शामिल हो गए।

5. अलबेलिशरण बाबाः चार्टर्ड अकाउंटेंट से भक्ति के पथ पर

अलबेलिशरण बाबा पहले एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (उअ) थे। पढ़ाई और करियर के मामले में उनका भविष्य उज्ज्वल था। लेकिन महाराज से मिलकर उनका जीवन बदल गया। उन्होंने अपने सभी काम छोड़ दिए और भक्ति और सेवा को अपना जीवन बना लिया।

ये पांच पांडव किसी साधारण शिष्य से बढ़कर हैं। हर एक ने अपने जीवन को पूरी तरह प्रेमानंद महाराज की सेवा और भक्ति में समर्पित कर दिया। उनका उदाहरण यह दिखाता है कि सही मार्गदर्शन और सच्ची भक्ति किसी की जिंदगी बदल सकती है।

1106 महिलाओं ने अवसान मैया की दुरदुरिया पूजा कर अखण्ड सौभाग्य मांगा

गैरवाह-जौनपुर, 9 अक्टूबर 2025। जीवन ज्योति सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में आज प्रातःकाल गंगा दास बाबा कुटी, गैरवाह-जौनपुर में एक साथ 1106 सुहागिन महिलाओं ने अवसान मैया की दुरदुरिया पूजा कर अखण्ड सौभाग्य मांगा।

कार्यक्रम में जीवन ज्योति सेवा फाउंडेशन की अध्यक्ष ज्योति सिंह की अगुवाई में एक साथ 1106 सुहागिन महिलाओं ने गंगा दास बाबा कुटी, गैरवाह-जौनपुर के प्रांगण में अवसान मैया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि और लइया, चना और गुड़ का प्रसाद चढ़ा दुरदुरिया पूजा कर अखण्ड सौभाग्य और सुहाग का वर मांगा।

दुरदुरिया पूजा में ज्योति सिंह ने अवसान माता की कथा वाचन की तो वहीं दूसरी ओर 1106 महिलाओं ने

सम्वेत स्वरों में मैया हम जानी बड़ी दानी अवसान मैया सबका दे हो मैया भर मांग सेंदुरा, सुन ला अरजिया हमार अवसानी मैया हाथ जोड़ पैया पडू बिनती बहुत करूं सुन ला अरजिया हमार अवसानी मैया, अवसान मैया तोहे रोजे बोलइबै, रोजे बोलइबै हो रोजे बोलइबै जैसे अन्य भजन सुनाकर लोगों में भक्ति भावना का संचार किया।

इस दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने अवधी और भोजपुरी भक्ति रस से सराबोर लोकगीत सुनाकर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर जितेन्द्र कुमार सिंह के संयोजन में हुए भंडारे में पूड़ी-सब्जी और बूंदी का प्रसाद वितरित हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश वर्मा अरसिया मण्डल, अध्यक्ष अवधेश दुबे, पवन पाल-क्षेत्रीय मंत्री युवा मोर्चा (काशी क्षेत्र), अनिल सिंह-मण्डल अध्यक्ष सुइयां, अंगद वर्मा-मण्डल अध्यक्ष युवा मोर्चा अरसिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कलर्स के शो 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा

जोड़ियों का रियलिटी चेक' में दुल्हन अविका गोर ने याद किया कैसे सोनाली बेंद्रे के एक साधारण से सवाल ने उन्हें भावुक कर दिया

बड़ी शादियाँ अक्सर अपनी भव्यता के लिए याद रखी जाती हैं, लेकिन अविका गोर का दिल किसी और ही कोमल पल से जुड़ गया है। भारतीय टेलीविजन की सबसे बहुप्रतीक्षित शादी से पहले, कलर्स के 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक' में सोनाली बेंद्रे के आलिंगन और एक साधारण, लेकिन स्नेह से भरे सवाल ने दुल्हन अविका को बेहद भावुक कर दिया। अविका ने याद किया कि कैसे अपनी शादी का निमंत्रण सोनाली को दिखाने पर मिला वह छोटा सा इशारा शोरगुल के बीच उनके दिल को छू गया, आँखों में आँसू ला दिए और यह एहसास दिलाया कि वे सचमुच परिवार का हिस्सा हैं। शादी की रस्मों के बाद, अविका ने सोनाली का धन्यवाद किया और दोनों की आँखों में आँसू थे— एक गहरा, मौन संबंध जिसने बिना शब्दों के बहुत कुछ कह दिया।

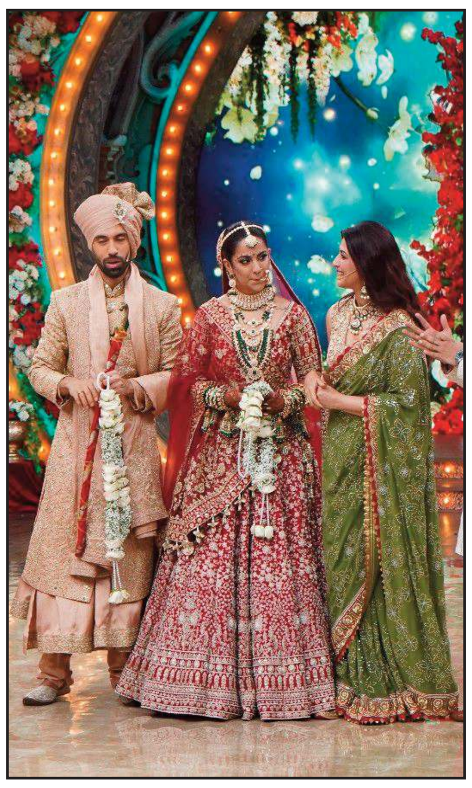

उस अनमोल पल के बारे में बताते हुए अविका गोर ने कहा, ह्लजब शादी का कार्ड दिखाया तो सोनाली मैम ने मुझे गले लगाया, तो वह गले लगना टीवी का नहीं बल्कि परिवार का लगा। वह आलिंगन सीधे मेरे दिल तक पहुँचा। उन्होंने मुझे थामा और पूछा, 'क्या यह सच में हो रहा है? तुम कैसा महसूस कर रही हो?' उस क्षण तक शायद किसी ने मुझे इस तरह कभी नहीं पूछा था। न इस तरह से, न इतनी सच्ची नजरों से जो मेरे जवाब की परवाह कर रही थीं। यह कैमरों, ड्रामा या शो के लिए नहीं था—यह व्यक्तिगत, आत्मीय और वास्तविक था। उस पल मैंने खुद को देखा हुआ, समझा हुआ महसूस किया और ऐसा लगा कि मुझे किसी का सहारा मिल गया है। शादी के बाद मुझे लगा कि उनका धन्यवाद करना जरूरी है, क्योंकि उस गले ने मुझे ऐसा महसूस कराया जैसे कोई अपना, कोई परिवार वाला मेरे साथ है और सचमुच मेरे साथ जश्न मना रहा है। सोनू मैम को धन्यवाद कहना मेरे लिए बेहद जरूरी था, और यह याद मैं हमेशा अपने दिल में संजोकर रखूँगी ़ह्व

निविया बॉडी मिल्क प्रस्तुत करता है 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक', सह-प्रायोजक हैं शुगर फ्री ग्रीन, कैडबरी डेयरी मिल्क, पोअर होम एयर फ्रेशनर्स, एन्वी परफ्यूम्स, लॉरियल पेरिस हायलूरॉन प्योर और अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल ।स्पेशल पार्टनर्स हैं कोलगेट और एचडीएफसी लाइफ। यह शो हर शनिवार और रविवार रात 9:00 बजे सिर्फ कलर्स पर प्रसारित होगा।

तीन तलाक विषय पर अफहाम-ए-जमा सोसाइटी सदस्यों की आरिफ मोहम्मद खान से पटना में मुलाकात

लखनऊ तीन तलाक पर बनाया गया कानून शिया मुसलमानों पर न लागू किये जानें के सिलसिले में अफहाम-ए-जमा सोसाइटी की बिहार के राज्यपाल जनाब आरिफ मोहम्मद खान से राज्य भवन पटना में हुई मुलाकात अफहाम-ए-जमा सोसाइटी के प्रतिनिधि मण्डल नें तीन तलाक पर बनाया गया कानून शिया मुसलमानों पर लागू न किये जाने के सिलसिले में बिहार के राज्यपाल जनाब आरिफ मोहम्मद खान से पटना राज्यभवन में मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधि मण्डल में मुख्यरूप से मुलाकात करने वालों में नवाब मसूद अब्दुल्लाह, सैयद अली मीसम नकवी एडवाकेट, नवाब मेराज हैदर, इक्बाल जाफ्री और सैयद असगर नजमी एडवाकेट रहे। प्रतिनिधि मण्डल नें ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि 2019 में तीन तलाक पर बनाया गया कानून शिया मुसलमानों पर न लागू किया जाये क्योंकि शिया मुसलमानों में तीन तलाक का कोई चलन है ही नहीं और न ही था।

ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि शिया मुसलमानों में तलाक बहुत ही मुश्किल होता है और निकाह से ज्यादा तलाक देने में कठिनाइयाँ होती है।

पति-पत्नी विवाद के बाद पहले दोनों पक्ष मौलाना के पास जाते हैं और मौलाना उनको समझाने की कोशिश करते हैं, समझाने के बाद भी अगर तलाक लेना चाहते हैं तो तीन मौलाना तलाक में शामिल होते हैं जिसमें एक मौलाना तलाक में पढ़े जाने वाले सीगे (कुरान की आयत) पढ़ते हैं तथा अतिरिक्त दो मौलाना उस तलाक के गवाह बनते हैं तब कहीं जाकर तलाक हो पाता है फिर भी उसके बाद तीन महीने दस दिन जो कि इददत के होते हैं उसमें पति-पत्नी चाहें तो आपसी समझौता के तहत विवाद को समाप्त कर एक साथ रह सकते हैं उनका तलाक नही माना जायेगा।

अंत में ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि तीन तलाक पर बनाया गया कानून बहुत ही अच्छा साबित हो रहा है और मुसलमानों में तलाक देने की प्रथा में कमी आई है परन्तु उक्त कानून के दायरे में शिया मुसलमानों का लाना न्यायोचित नही होगा क्योंकि इस समाज में एक बार में तीन बार तलाक-तलाक व तलाक कहने से तलाक नही होता जिसमें संशोधन की अतिआवश्कता है जिसे तुरंत संशोधित कर लागू किया जाना चाहिये ताकि इस कानून का दुरूप्योग न हो सके और न्याय प्रक्रिया बनी रहे।

एम आई टी - वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के शोधकताओं ने सोलर पीवी कचरे को पुनः उपयोग में लाकर निर्माण सामग्री बनाने की स्केलेबल प्रक्रिया विकसित की

पुणे, ९ अक्टूबर २०२५: अनुमानों के अनुसार, भारत में सोलर फोटोवोल्टिक (पीवी) कचरा साल 2030 तक लगभग 200,000 टन और साल 2050 तक 1.8 मिलियन टन तक पहुँच जाएगा, जिसे देखते हुए एम आई टी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने लैब ट्रायल और इंडस्ट्री से मिले सुझावों के आधार पर रीसाइक्लिंग का एक ऐसा तरीका विकसित किया और वैलिडेट किया है, जिसे बड़े पैमाने पर लागू करके इस समस्या से निपटा जा सकता है। इस नए रिसर्च में सहायता के लिए, टीम को महाराष्ट्र सरकार के राजीव गांधी साइंस एंड टेक्नोलॉजी कमीशन से 25 लाख रुपये की आर्थिक मदद मिली है।

इस समाधान से भारत में बढ़ते सोलर पीवी के कचरे की समस्या तो हल होगी ही, साथ ही इंडस्ट्री में कचरे के दोबारा इस्तेमाल तथा शहरों में हरियाली को बढ़ावा देकर यू एन के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स 9 (इंडस्ट्री, इनोवेशन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर) तथा 11 (सस्टेनेबल शहर एवं कम्युनिटी) को हासिल करने में भी मदद मिलेगी।

फिलहाल, कचरे के तौर पर फेके गए ज्यादातर सोलर पैनल या तो वैसे ही पड़े रहते हैं, या फिर एल्युमीनियम और केबल निकालने के लिए उन्हें तोड़ा जाता है, जबकि पैनल की कई परतों वाली बनावट को अलग करना मुश्किल होता है, जिसके चलते सिल्वर , कॉपर ,टिन और लीड जैसी कीमती चीजें बर्बाद हो जाती हैं। इस चुनौती को देखते हुए, डॉ. सरिता आर. जेले, प्रोफेसर, रिसर्च एंड डेवलपमेंट; डॉ. निवेदिता गोगाटे, एसोसिएट प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग; डॉ. दीप्ति मराठे और डॉ. अमृत जोशी ने टक्ळ-हढव में इस पहल की कमान संभाली है। इस

रिसर्च में अमर शितोले, ओमकार गजरे, नेहा जाधव, वेदा शेवालकर, अथर्व जगदाले, प्रणाली धीवरे, समीर थामके, अंजलि गभाने, सुमित दफे, अवंती गुल्हाने, धनश्री लांघी, ऋतुराज जाधव, अमेय बाकल और चिराग सोनवणे भी अपना सहयोग दे रहे हैं।

इस तकनीक की मदद से खराब हो चुके सोलर पैनलों से कीमती चीजें निकाली जाती हैं, साथ ही बचे हुए कचरे को अपसाइकिल करके कंस्ट्रक्शन के लिए ईंट, ब्लॉक और रोड़ी का रूप दे दिया जाता है। इस प्रकार का दो तरफा उपयोग, खतरनाक कचरे को लैंडफिल में जाने से रोकता है, साथ ही नए कच्चे माल पर

निर्भरता को कम करता है। इस तरह, रिन्यूएबल एनर्जी और कंस्ट्रक्शन सेक्टर के बीच सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा मिलता है।

इस मौके पर डॉ. सरिता आर. जेले, प्रोफेसर, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, टक्ळ-हढव, ने कहा, "भारत धीरे-धीरे स्वच्छ ऊर्जा को अपना रहा है जिसमें सोलर एनर्जी सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन इससे निकलने वाला सोलर पैनल का कचरा अब एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। हमारी रिसर्च ने एक ऐसा सस्टेनेबल सॉल्यूशन विकसित किया है, जो कचरे से कीमती चीजें वापस निकालने के बाद बची हुई बेकार चीजों को कंस्ट्रक्शन के उपयोगी सामानों में बदल देता है। इससे पक्का होता है कि रिन्यूएबल एनर्जी सही मायने में हरित और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनी रहे।"

डॉ. निवेदिता गोगटे, एसोसिएट प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग, टक्ळ-हढव, ने कहा, "हमारा ये इनोवेशन रिन्यूएबल एनर्जी और कंस्ट्रक्शन को आपस में जोड़ता है, जिससे कचरे की समस्या को फायदे के मौके में बदला जा सकता है। इंडस्ट्री के बीच आपसी सहयोग के जरिये हम लैंडफिल के बोझ को कम करते हैं, नए कच्चे माल को बचाते हैं और एक सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देते हैं। हम मानते हैं कि इस मॉडल को पूरे भारत में लागू किया जा सकता है, ताकि सोलर एनर्जी को अपनाना और अधिक सस्टेनेबल हो जाए।"

भारत अपने स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्यों के तहत बड़ी तेजी से सोलर एनर्जी को अपना रहा है, और ऐसे में नई राह दिखाने वाला टक्ळ-हढव का ये रिसर्च इस बात को पक्का करता है कि आज का रिन्यूएबल एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर आने वाले कल के पर्यावरण पर बोझ न बन जाए।

पत्तचित, मिनिएचर पेंटिंग, जामदानी पटोला के साथ दिखेगी पारंपरिक हस्तकला चमक, आज से शुरू होगी 'क्राफ्टरूट्स' प्रदर्शनी

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी उद्घाटन, सफेद बारादरी में लगेगा हस्तशिल्प उत्पादों का मेला

लखनऊ। ग्रामश्री संस्था की शाखा 'क्राफ्टरूट्स' की ओर से 10 अक्टूबर से सफेद बारादरी में हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के करकमलों द्वारा किया जाएगा। प्रदर्शनी 14 अक्टूबर तक चलेगी और प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक आम जनता के लिए खुली रहेगी।

गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में ग्रामश्री संस्था की प्रमुख अनारा पटेल ने जानकारी दी कि 'क्राफ्टरूट्स' 2008 से भारत की पारंपरिक और सांस्कृतिक कलाओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ कई पीढ़ियों से हस्तकलाओं को संजोए कारीगरों को विश्व स्तर पर मंच प्रदान कर रही है। संस्था का उद्देश्य लोगों में हस्तकला के प्रति जागरूकता बढ़ाना और देश की लोक कलाओं को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना है।

अब तक क्राफ्टरूट्स द्वारा भारत के विभिन्न मेट्रो शहरों सहित दुबई, अमेरिका और सिंगापुर जैसे देशों में 77 प्रदर्शनी आयोजित की जा चुकी हैं। संस्था 35 हजार से अधिक कारीगरों से जुड़ी हुई है। प्रेसवार्ता में संस्था की ट्रस्टी लीनाबेन रावल, पश्चिम बंगाल के चित्रकार प्रबीर , परेश कोचरेकर और मध्यप्रदेश के कारीगर अमित चौरे ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

इस बार लखनऊ की सफेद बारादरी कैसरबाग में आयोजित प्रदर्शनी में भारत के 22 राज्यों के 100 से अधिक कारीगरों की भागीदारी होगी। प्रदर्शनी में पट्टचित्र (ओडिशा), लाख की चूड़ियां (राजस्थान), कांच की कलाकृतियां (उत्तर प्रदेश) और मिनिएचर पेंटिंग (राजस्थान) जैसी पारंपरिक कलाओं का लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी किया जाएगा।

समाजसेवी इरफान सिद्दीकी ने मृतक के माता-पिता से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त कर भरोसा दिलाया कि बेटे का शव मुंबई से सलोंन लाने का पूरा प्रयास किया जाएगा

सलोन रायबरेली बीती रात नगर सलोंन के ईदगाह के समीप रहने वाले मोहम्मद अरमान 22 वर्ष पुत्र मोहम्मद रमजान शाह का मुंबई में दर्दनाक हत्या कर दी गई। परिवार निर्धन होने की वजह से शव को मुंबई से सलोंन लाया जाना मुमकिन नहीं था ,घटना की सूचना पाकर कस्बे के लोकप्रिय जनसेवक व समाजसेवी इरफान सिद्दीकी ने मृतक के माता-पिता से घर जाकर मुलाकात की एवं संवेदना व्यक्त करते हुए हुए भरोसा दिलाया कि आपके बेटे का शव मुंबई से सलोंन लाने का पूरा प्रयास किया जाएगा, उन्होंने कहा कि हर मुसीबत में हम परिवार व सलोंन के साथ हैं।

21 साल के बॉलीवुड एक्टर की ऐसे हुई मौत, बिग बी के साथ किया था काम, तार से बंधी थी बॉडी

(जीएनएस)।

बॉलीवुड फिल्म 'झुंड' से पहचान बनाने वाले युवा अभिनेता प्रियांशु उर्फ बाबू रवि सिंह छेत्री की मौत की खबर से मनोरंजन जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। महज 21 साल की उम्र में उनकी निर्दयता से हत्या कर दी गई है।

करीबी दोस्त ने की प्रियांशु की हत्या

पुलिस के अनुसार प्रियांशु की हत्या उनके ही एक करीबी दोस्त ने की, जिसने पहले उन्हें तार से बांधा, फिर गला रेतकर और पत्थर से चेहरा कुचलकर मौत के घाट उतार दिया।

जानकारी के अनुसार प्रियांशु ने साल 2022 में अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'झुंड' में काम किया था और अपनी सादगी भरी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया था। हालांकि 8 अक्टूबर 2025 की सुबह उनका जीवन एक दर्दनाक मोड़ पर खत्म हो गया।

-पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ये घटना नागपुर के जरीपटका थाना क्षेत्र के नारा इलाके की है। पुलिस ने बताया कि प्रियांशु अपने दोस्त ध्रुव लाल बहादुर साहू (20) के साथ बीती रात शराब पीने गया था। दोनों पहले से एक-दूसरे के अच्छे दोस्त बताए जा रहे हैं।

-पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रियांशु और उनके दोस्त देर रात एक खाली पड़े घर में शराब पीने पहुंचे थे। नशे के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद ध्रुव ने गुस्से में पहले प्रियांशु को धमकाया, फिर कुछ देर बाद जब वह सोया, तो अचानक उठकर उसे प्लास्टिक के तार से बांध दिया और तेज धारदार हथियार से हमला कर दिया।

-इसके बाद ध्रुव ने प्रियांशु का चेहरा पत्थर से कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने जब घर से चीखने की आवाजें सुनीं तो उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी।

प्लास्टिक के तारों से बंधी हुई थी बॉडी

-मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रियांशु को अर्धनग्न हालत में, प्लास्टिक के तारों से बंधा हुआ पाया था। उसे तुरंत मेयो अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

-वारदात के बाद पुलिस ने आरोपी ध्रुव साहू को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में ये मामला आपसी रंजिश और शराब के नशे में हुए विवाद का बताया जा रहा है।